RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 18.1.2023
Page No. 2, Size:(11.88)cms X (13.28)cms.

प्रोजेक्ट: वडोदरा में 5.7 किमी, अन्य लोकेशनों पर 19.58 किमी पर कार्य पूरा

बुलेट ट्रेन मार्ग पर 25 किमी की लाइन पर वायडक्ट तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरीडोर (एमएएचएसआर) प्रोजेक्ट में बुलेट ट्रेन मार्ग पर 25 कि.मी. की लाइन पर वायडक्ट लगाने का काम पूरा कर लिया गया हैं। इस प्रोजेक्ट में जून 2026 तक सूरत-बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन शुरू होने की संभावना जताई गई है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन को मुंबई-अहमदाबाद के बीच चलाने के लिए निर्माण कार्य भी तेज गति से चल रहा हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) की ओर से इस कार्य के लिए अधिकारियों के साथ इंजीनियरों, कारीगरों व श्रमिकों की फौज उतारी गई है। बुलेट ट्रेन के साइट पर दिन-रात कार्य चल रहा हैं। अधिकारियों के मुताबिक, गुजरात और डीएनएच के 8 जिलों से गुजरने वाले पूरे 352 किलोमीटर संरेखण के लिए वायाडक्ट, पुलों, स्टेशनों और ट्रैक के निर्माण के लिए सिविल, पुलों और ट्रैक के लिए 100 फिसदी अनुबंध 2 साल की अवधि में दिए गए हैं।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए पहला सिविल अनुबंध (सी-4 पैकेज) 28 अक्टूबर 2020 को दिया गया था और अनुबंध समझौते पर 26 नवंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे। अहमदाबाद के साबरमती, कालूपुर, आणंद, नडियाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा और वापी सहित 8 स्टेशन के बीच निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है। 348 किलोमीटर में से गुजरात में 99 किमी, दादरा और नगर हवेली में 4 किमी में 100 फीसदी जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। गुजरात और डीएनएच में एलिवेटेड हाई स्पीड रेलवे ट्रैक की कुल लंबाई 352 किमी होगी। कुल 508 किमी में से बुलेट ट्रेन गुजरातभर में 348, दादरा और नगर हवेली में 4 किलोमीटर तथा महाराष्ट्र में 156 किमी की दूरी तय करेगी। बुलेट ट्रेन की अधिकतम स्पीड 320 किमी प्रति घंटा होने का अनुमान है। बुलेट ट्रेन में मुंबई से अहमदाबाद की दूरी 2.07 घंटे में और सभी स्टेशनों पर रुकते हुए 2.58 घंटे में पहुंचेगी। गौरतलब हैं कि रेल मंत्रालय ने जून 2026 तक सूरत से बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच ट्रायल रन शुरू होगा।

154.3 किमी तक का फाउंडेशन तैयार

गुजरात में एमएएचएसआर परियोजना की स्थिति 16 जनवरी तक पाइल 236.6 किमी की लंबाई में डाला गया है, 154.3 किमी से अधिक फाउंडेशन और 133.8 किमी की दूरी पर पियर्स का निर्माण किया गया है। गर्डर कास्टिंग में 1110 गर्डर 44.4 किमी से अधिक तक डाले गए हैं। मार्ग पर नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर पुल का काम चल रहा है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK BHASKAR, Surat, 18.1.2023
Page No. 2, Size:(9.96)cms X (7.29)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्टः 16 माह में एक पड़ाव पार, 25 किमी वायडक्ट तैयार, मंत्रालय ने इसे देश के लिए उपलब्धि बताया

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्टः 17 जनवरी तक की स्थिति

- वायडक्ट- 25.28 किमी
- पाइल वर्क- 236.6 किमी
- पिलर वर्क- 133.8 किमी

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल परियोजना का एक पड़ाव मंगलवार को पूरा कर लिया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल (एनएचएसआरसीएल) ने इस परियोजना का 25 किमी वायडक्ट बनाने का काम पूरा कर लिया है। रेल मंत्रालय ने इसे देश के लिए उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य की शुरुआत जुलाई 2021 में हुई थी और मंगलवार को 25 किमी वायडक्ट बनकर तैयार हो गया। यही नहीं 133 किमी रूट पर पिलर भी खड़े कर लिए हैं।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

SANDESH, Surat, 18.1.2023
Page No. 2, Size:(7.02)cms X (9.68)cms.

Bullet train project completed the viaduct installation over 25 km.

૨૩૬ કિમી પાઈલ વર્ક, ૧૩૪ કિમી પિલર વર્ક પૂરું

બુલેટ ટ્રેનનો પહેલો પડાવ પૂર્ણ ૨૫ કિમી વાયડકટ બનીને તૈયાર

। સુરત ।

બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી બુલેટ ગતિએ આગળ ધપી રહી છે. ૨૫.૨૮ કિલોમીટર વાયડક્ટ તૈયાર થવા સાથે પહેલો પડાવ પૂર્ણ થઈ ગયો છે. અત્યાર સુધીમાં ૨૫.૨૮ કિમી વાયડક્ટ, ૨૩૬.૬ કિમી પાઈલ વર્ક અને ૧૩૩.૮ કિમી વિસ્તારમાં પિલર ઊભા કરી દેવામાં આવ્યા છે. આ ઉપરાંત ૮ રેલવે સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી પણ પુરજોશમાં ચાલી રહી છે.

મુંબઈ-અમદાવાદ હાઈ સ્પીડ રેલ કોરિડોર પ્રોજેક્ટની કામગીરી ઝડપથી આગળ વધી રહી છે. વાયડક્ટ બનાવવાની કામગીરી ૨૦૨૧માં શરૂ કરવામાં આવી હતી. જે એક વર્ષના અંતે ૨૫ કિલોમીટર વાયડક્ટની કામગીરી પૂર્ણ કરી દેવામાં આવી છે. એન્જિનિયરોની ટીમ અને કર્મચારીઓની અથાગ મહેનતને પગલે બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી પુરજોશમાં આગળ ધપી રહી છે.

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 19.1.2023
Page No. 5, Size:(14.27)cms X (6.23)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

बुलेट ट्रेन: एलिवेटेड ट्रैक का निर्माण कार्य प्रगति पर

वडोदरा में 5.7 किमी लाइन पर वायडक्ट लगाने का काम पूरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एचएसआर-बुलेट ट्रेन) के कॉरिडोर प्रोजेक्ट का एक अहम पड़ाव पूरा कर लिया गया। वडोदरा में 5.7 किमी व विभिन्न स्थानों पर 19.58 किमी सहित कुल 25.28 किमी लाइन पर वायडक्ट (पुल) लगाने का काम मंगलवार को पूरा किया गया है।नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के सूत्रों के अनुसार इंजीनियरों और कामगारों-श्रमिकों के कठोर परिश्रम, लगन और देश के विकास के लिए प्रतिबद्धता से यह उपलब्धि हासिल हुई है। गुजरात के 8 जिलों में 352 किलोमीटर एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के लिए पुल, स्टेशनों और ट्रैक के निर्माण के लिए 100 फीसदी अनुबंध 2 वर्ष की अवधि में किया गया है। परियोजना के लिए पहला सिविल अनुबंध (सी-4 पैकेज) 28 अक्टूबर 2020 को प्रदान किया गया था और अनुबंध समझौते पर 26 नवंबर 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे।

नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम तेज

गुजरात में 25.28 किमी लंबा वायडक्ट लगाने का काम मंगलवार को पूरा हुआ है। गुजरात और दादरा नगर हवेली में निर्माण कार्य जोरों पर जारी है। वापी से साबरमती तक 8 एचएसआर स्टेशनों पर काम निर्माण विभिन्न चरणों में जारी है। 236.6 किमी की लंबाई में पाइल, 154.3 किमी से अधिक फाउंडेशन और 133.8 किमी की दूरी पर पियर्स का निर्माण किया गया है। 44.4 किमी से अधिक लंबाई तक 1110 गिर्डर तक लगाए गए हैं। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर पुल निर्माण का काम प्रगति पर है।